H.W
21/7/21

ODM CONNECT APP HOMEWORK

अतिथि तुम कब जाओगे पाठ का मूल उद्देश्य क्या है?

• तुम कब जाओगे, अतिथि ' एक व्यंग्यात्मक कहानी है जिसके माध्यम से लेखक ' शरद जोशी ' एक अच्छे अतिथि के विषय पर सूचना देना चाहते हैं। अच्छा अतिथि वह कहलाता है जो एक अतिथि की तरह बनकर घर में आता है और एक-दो दिन में मिलकर वापिस चला जाता है। वह कभी मेज़बान को तकलीफ़ नहीं देता और ज़्यादा फरमाइशें भी न करता। इसलिए लेखक का मानना यह है कि हम

भी यदि किसी के घर जायें तो ज्यादा समय तक रहकर किसी को तकलीफ न दें। आज की दौड़ती-भागती ज़िंदगी में किसी के पास इतना समय और धन नहीं है, कि वो लंबे समय तक आप की खातिरदारी कर सके। हमें अपनी खुद की मातृभूमि को छोड़कर दूसरों के घर पर बहुत समय तक रुकना नहीं चाहिए।

मचा रहे हो कत्लेआम,
इंसानियत को कर रहे हो बदनाम,
जीवन पर लगा रहे हो पूर्ण विराम ॥
अतिथि तुम कब जाओगे ?